Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding providing shooting kit to sports persons.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): माननीय अध्यक्ष महोदय, देश में बहुत से प्रतिभावान खिलाड़ी निशानेबाजी और तीरंदाजी में अपने खेल का प्रदर्शन करते हैं । इसमें गांव-देहात के गरीब खिलाड़ी भाग लेते हैं । इनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती है ।

इन खेलों में इस्तेमाल होने वाली किट दूसरे खेलों से मंहगी होती है । अगर तीरंदाजी की बात की जाए तो रिकर्व और कंपाउंडण तीर-धनुष का इस्तेमाल एशिया कप व ओलंपिक खेल के लिए होता है और इसकी कीमत लगभग दो लाख से ढाई लाख रुपये होती है । जबकि अगर कोई राइफल इवेंट की शुरूआत करे तो उसे ट्राउजर, जैकेट, इनर्स, गलव्स, शूज़ लेने पड़ते हैं, जिसकी कीमत 60 से 70 हजार रुपये तक जाती है । राइफल की कीमत 2.5 से ले कर 10 लाख रुपये तक होती है । पिस्टल की कीमत 4 से 5 लाख रुपये तक होती है ।

इस प्रकार इस खेल किट की ज्यादा कीमत होने के कारण गरीब प्रतिभावान खिलाड़ी इसको नहीं खरीद पाते हैं । हमारे पास भी कई सारे गरीब खिलाड़ी मदद मांगने आते हैं ।

महोदय, हमारे इतने बड़े देश में खिलाड़ियों को सुविधा नहीं होने के कारण ओलंपिक या अन्य प्रतियोगिता में खिलाड़ी मैडल नहीं ला पाते हैं । मैं आपसे मांग कर रहा हूँ कि केंद्र सरकार, खास कर खेल मंत्रालय से ऐसे गरीब खिलाड़ियों को मदद की जाए, ताकि वे देश के लिए खेलें ।